

कक्षा-10 हिंदी पाठ्यक्रम विभाजन, कोर्स 'ए', कोड संख्या-002सत्र : 2026-27

पाठ्य पुस्तकें : क्षितिज भाग-2, कृतिका : भाग-2, व्याकरण

प्रथम चरण (I Term) साप्ताहिक परीक्षा-1 (Weekly Test-1)

क्र.	पाठ्यवस्तु
1.	अपठित गद्यांश
2.	व्याकरण : वाच्य
3.	क्षितिज(गद्य) स्वयं प्रकाश : नेताजी का चश्मा
4.	क्षितिज(पद्य) पद : सूरदास

प्रथम चरण (I Term) साप्ताहिक परीक्षा-2 (Weekly Test-2)

क्र.	पाठ्यवस्तु
1.	अपठित काव्यांश
2.	अलंकार-उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा
3.	क्षितिज(पद्य) पद : सूरदास
4.	क्षितिज(गद्य) - बालगोबिन भगत : रामवृक्ष बेनीपुरी
5.	रचना के आधार पर वाक्य भेद, रचनान्तरण
6.	अनुच्छेद लेखन (समसामयिक तथा व्यावहारिक जीवन से संबंधित) लगभग 100 शब्द
7.	ई-मेल लेखन - (विविध विषयों पर आधारित औपचारिक ई-मेल) लगभग 100 शब्द

प्री-बोर्ड-1 व 2

क्र.	पाठ्यवस्तु
1.	अपठित गद्यांश एवं काव्यांश
2.	व्याकरण :- अलंकार-उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति तथा मानवीकरण रचना के आधार पर वाक्य भेद, रचनान्तरण वाच्य, वाच्य परिवर्तन पद-परिचय
3.	रचनात्मक लेखन :- अनुच्छेद लेखन (समसामयिक तथा व्यावहारिक जीवन से संबंधित) लगभग 120 शब्द पत्र लेखन (अभिव्यक्ति क्षमता पर आधारित औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्र) उपलब्ध रिक्त के लिए स्ववृत्त लेखन (लगभग 80 शब्द) अथवा ई-मेल लेखन - (विविध विषयों पर आधारित औपचारिक ई-मेल) लगभग 100 शब्द विज्ञापन लेखन (लगभग 40 शब्द) अथवा संदेश लेखन - शुभकामना,पर्व-त्योहार तथा विशेष अवसर (लगभग 40 शब्द)
4.	क्षितिज (पद्य)- सूरदास : पद राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद : तुलसीदास आत्मकथ्य : जयशंकर प्रसाद उत्साह, अट नहीं रही है : सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला यह दन्तुरित मुस्कान, फसल : नागार्जुन संगतकार : मंगलेश डबराल

5.	क्षितिज (गद्य)- : नेताजी का चश्मा - स्वयं प्रकाश	
	बालगोबिन भगत : रामवृक्ष बेनीपुरी	
	लखनवी अंदाज : यशपाल	
	एक कहानी यह भी : मन्नू भण्डारी	
	नौबतखाने में इबादत : यतींद्र मिश्र	
	संस्कृति : भदंत आनंद कौसल्यायन	
6.	कृतिका- माता का आँचल : शिवपूजन सहाय	
	साना-साना हाथ जोड़ि : मधु कांकरिया	
	मैं क्यों लिखता हूँ : अज्ञेय	

आंतरिक आकलन- 20 अंक

1. लिखित परीक्षा **Periodic Test**
2. बहुविध आकलन **Multiple Assessment** (गृहकार्य, विविध प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग)
3. **Portfolio**(नोटबुक, अभ्यास पत्रक आदि)
4. विषय संवर्धन (**Subject Enrichment**)कक्षा परीक्षा, वाचन एवं श्रवण कौशल